



HIMACHAL PRADESH JICA AGRICULTURE PROJECT



DAILY DIARY

HAMIRPUR: 09 APRIL, 2026



**चैतुरु सुविधा को सशक्त बनाने हेतु एमओयू: एफपीओ कंसोर्टियम को मिलेगा बल
परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने एमओयू हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की**

हमीरपुर, 09 अप्रैल: कृषि-व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II (HPCDP-II) जायका-ओडीए, के तहत जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (DPMU), पालमपुर ने ब्लॉक परियोजना प्रबंधक (BPM), पालमपुर के माध्यम से कांगड़ा जिले के चैतुरु स्थित सुविधा के संचालन के लिए एचएफएन एग्रीटेक के साथ गुरुवार (09 अप्रैल) को हमीरपुर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने इस एमओयू हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। एमओयू पर एचएफएन एग्रीटेक के CEO श्री रुचित जी गर्ग तथा डीपीएम, पालमपुर योगिंदर पॉल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर वित्त अधिकारी प्रदीप शर्मा, उप परियोजना निदेशक राजेश कुमार, एसएमएस (मार्केटिंग) अनु यादव, बीपीएम, पालमपुर अमित भूषण बीपीएम देहरा विवेक तथा पीएमसी के विशेषज्ञ सुदर्शन सूर्यवंशी भी उपस्थित रहे। डॉ. सुनील चौहान ने इस सहयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह साझेदारी किसान-नेतृत्व वाले उद्यमों को सशक्त बनाने तथा क्षेत्र में बाजार-

उन्मुख कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने बताया कि इस पहल के प्रदर्शन की निगरानी निर्धारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPIs) के माध्यम से की जाएगी, जिससे जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होगी। यह एमओयू परियोजना के प्रथम चरण में विकसित अवसंरचना का उपयोग करते हुए कृषि उत्पादों के संग्रहण, प्राथमिक प्रबंधन एवं विपणन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इस सहयोग के तहत HFN एग्रीटेक एक एग्री-बिजनेस ऑपरेटर के रूप में कार्य करेगी और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के कंसोर्टियम को सशक्त बनाने के लिए विपणन संबंधों को मजबूत करेगी। यह साझेदारी किसानों, FPOs, कॉमन इंटरैस्ट ग्रुप्स (CIGs) तथा स्वयं सहायता समूहों (SHGs) द्वारा

उत्पादित विभिन्न कृषि एवं संबद्ध उत्पादों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार के बाजार विकसित करने का लक्ष्य रखती है। इसके माध्यम से संस्थागत खरीदारों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के साथ सीधे संपर्क स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों की भूमिका कम होगी। एमओयू के प्रमुख उद्देश्यों में उत्पादों का संग्रहण, मूल्य संवर्धन, कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बढ़ावा देना तथा FPOs की स्वायत्त सुरक्षा, गुणवत्ता प्रबंधन और विपणन के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण शामिल है। यह पहल एकीकृत वैल्यू चेन नेटवर्क स्थापित करने और परियोजना की अवसंरचना का वित्तीय रूप से टिकाऊ उपयोग सुनिश्चित करने पर भी केंद्रित है।

